तापमान
अधिकतम 38 .0 डिग्री
न्यूनतम 17 .3 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 14 अप्रैल 2025

11 एमडीयू ने जीता श्रेष्ठ विजेता का खिताब ....

12 नगर निगम ने विशेष सफाई अभियान का किया शुभारंभ

खबर संक्षेप

सरकारी जमीन से गेहूं काटने पर केस दर्ज

महम। महम थाना पुलिस ने निंदाना गांव में सरकारी जमीन से गेहूं काटने के आरोप में एक शख्स के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में पटवारी कृष्ण कुमार और कानूनगो भरत सिंह ने बताया कि निंदाना गांव में सरकारी भूमि है। उसकी निगरानी के लिए सरकार ने उनकी ड्यूटी लगाई हुई है। इस जमीन के 20 कनाल 3 मरला रकबे में गेहूं की फसल उगा रखी थी। इस गेहूं की तैयार फसल की गांव के संजय पुत्र अमर सिंह ने कटाई कर ली। सरकारी जमीन से गेहूं की कटाई करना गैर कानूनी है। इसके अलावा भी गांव में कुछ रकबे पर गेहूं की फसल खड़ी है। पटवारी और कानूनगो ने पुलिस सुरक्षा की मांग की है, ताकि कोई गेहूं की कटाई न कर सके। साथ ही पुलिस से काटी गई गेहूं की फसल बरामद करने की मांग की है। पटवारी व कानूनगो ने संजय के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई है।

अवैध शराब के साथ एक शख्स गिरफ्तार

महम। लाखन माजरा पुलिस ने अवैध शराब के साथ एक शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गिरावड़ गांव निवासी रणबीर सिंह पुत्र हजारी अवैध शराब बेचने का काम करता है। जो कि फिलहाल खैरीं रोड के साथ कच्ची पगडंडी पर प्लास्टिक कट्टा में शराब डालकर शराब बेच रहा है। पुलिस ने वहां पर छापा मारा तो सूचना सही पाई गई। उसके पास से पुलिस ने 18 बोतल देसी शराब माल्टा मिली। रणबीर के पास शराब बेचने का कोई लाइसेंस भी नहीं मिला।

गेंदबाजों के चयन के लिए 18-19 को टैलेंट हंट

रोहतक। हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन 18-19 अप्रैल को सुबह 8:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक गुरुग्राम क्रिकेट ग्राउंड सुल्तानपुर गुरुग्राम में महत्वाकांक्षी तेज गेंदबाजों (पुरुष) के लिए टैलेंट हंट का आयोजन कर रहा है। एसोसिएशन की तरफ से जारी ब्यान में बताया गया है कि 18 अप्रैल को जोन-ए में शामिल कैथल, अंबाला, पंचकूला, कुरूक्षेत्र और यमुनानगर तथा जोन के रोहतक, भिवानी, सिरसा, फतेहाबाद और चरखी दादरी जिले के खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। 19 को जोन-बी के सोनीपत, पानीपत, जींद, हिसार और करनाल तथा जोन-डी के गुरुग्राम, फरीदाबाद, झज्जर, महेंद्रगढ़, पलवल, रेवाड़ी और मेवात जिले शामिल रहेंगे।

प्रो. रामदिया जाटायण ने पांच स्वर्ण पदक जीते

रोहतक। चतुर्थ खेलो इंडिया वेटरन राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन गत 11 से 13 अप्रैल तक खेल गांव के अक्षरधाम स्टेडियम दिल्ली में करवाया गया। इसमें प्रोफेसर रामदिया जाटायण जो कि गांव धनाना तहसील गोहाना जिला सोनीपत के निवासी हैं। उन्होंने अपनी 80+ आयु वर्ग में भाग लेते हुए 5 किमी की दौड़ 32 मिनट 6 सेकेंड में ,5 किलो मीटर वॉक 34 मिनट में ,3 किलो मीटर रेस 19 मिनट 8 सेकेंड में , 1500 मीटर रेस 9 मिनट 17 सेकेंड में तथा 800 मीटर दौड़ 4 मिनट 59 सेकेंड में पूरी की।

दुकान से सीसीटीवी कैमरे व नकदी चोरी

महम। महम थाना क्षेत्र के गांव खरकड़ा में हाइवे किनारे बनी एक दुकान से सामान व नकदी चोरी किए जाने की वारदात सामने आई है। पुलिस को दी शिकायत में खरकड़ा गांव निवासी सुभाष सिंह पुत्र अनार सिंह ने बताया कि उसने गांव में बने बाइपास के साथ जयहिंद मिष्ठान भंडार के नाम से दुकान बना रखी है। रात को किसी ने एक बजकर 50 मिनट पर उसकी दुकान के ताले तोड़कर उसमें रखा सामान चोरी कर लिया। चोरों ने एक हजार रुपए, सीसीटीवी चोरी कर लिए।

रोहतक सिविल सर्जन टीम को मिली कामयाबी, 20 हजार में हुआ था सौदा

भ्रूण लिंग जांच का भंडाफोड़, यूपी के बिजनौर में चल रहे सेंटर से दो महिलाओं समेत कई पकड़े

- आरोपियों से 20 हजार रुपये रजिस्टर, मशीन, पेन ड्राइव, सीसीटीवी ड्राइव समेत अन्य कागजात बरामद किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उत्तर प्रदेश के जिला बिजनौर में चल रहे भ्रूण लिंग जांच के धंधे का स्वास्थ्य विभाग रोहतक की टीम ने भंडाफोड़ किया है। बिजनौर की रहने वाली दलाल से संपर्क करने के बाद उन्हें रविवार को अल्ट्रासाउंट के लिए बिजनौर बुलाया था। इस काम के लिए उन्होंने 20 हजार रुपये की मांग की थी। टीम ने रविवार को अस्पताल से जांच के बाद 20 हजार रुपये, रजिस्टर, मशीन पेन ड्राइव, सीसीटीवी ड्राइव समेत अन्य कागजात बरामद किए हैं। जांच पड़ताल में पता चला कि खरखोदा निवासी एक महिला डॉक्टर खरखोदा से ही गर्भवती महिलाओं को चालक साहिल के साथ बिजनौर के आरजे अस्पताल में अल्ट्रासाउंड के लिए लेकर जाती है। मामले में बिजनौर पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाई गई है। जानकारी के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग की टीम को रोहतक से गर्भवती महिलाओं को उत्तर प्रदेश के बिजनौर में ले जाकर भ्रूण लिंग जांच कराने की सूचना मिली थी। इस पर उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा एवं सिविल सर्जन डॉ रमेश चंद्र ने टीम का गठन किया। टीम ने पुलिस को साथ लेकर बिजनौर में छापा डाला। इस दौरान दलाल सुमन व खरखोदा निवासी डॉ. तमन्ना सहित अन्य लोगों को पकड़ा गया है। बिजनौर के आरजे अस्पताल में पोर्टेबल मशीन से भ्रूण लिंग जांच हो रही थी। जांच डॉ. मसूद जावेद सिद्दकी कर रहा था। खरखोदा निवासी डॉ. तमन्ना के जरिए यह गर्भवती महिला एक अन्य महिला के साथ चालक साहिल बिजनौर लेकर पहुंचा है। उसी दौरान लिफाफे में डॉ. तमन्ना को 20 हजार रुपये दिए जो उन्होंने गाड़ी के डेश बोर्ड में रख लिए। टीम में नोडल अधिकारी पीएनडीटी डॉ. विश्वजीत राठी, रजींत सिंह पुलिस के जवान शामिल रहे।

रोहतक। सिविल सर्जन कार्यालय रोहतक की टीम के साथ आरोपी। फोटो : हरिभूमि

सूचना मिलने पर टीम ने की कार्रवाई

सूचना मिलने पर टीम बनाई गई थी। उत्तर प्रदेश के जिला बिजनौर में कार्रवाई की गई है। जहां भ्रूण लिंग जांच की जा रही थी। बिजनौर पुलिस को शिकायत दी गई है। -डॉ रमेश चंद्र, सिविल सर्जन रोहतक

कागजी कार्रवाई

इस तरह चला घटनाक्रम

दलाल सुमन ने गर्भवती को खरखोदा निवासी डॉ तमन्ना का नंबर दिया। इसके बाद तय समय पर गर्भवती महिला खरखोदा आई। यहां पर गर्भवती को अपनी दूसरी गाड़ी में बैठाया और बिजनौर की तरफ चल पड़े। साथ की साथ टीम भी गाड़ी के पीछे-पीछे चल पड़ी और अस्पताल तक पहुंची। वहां पर आरजे अस्पताल में जाने के लिए दलाल सुमन से संपर्क किया तो उन्होंने अपने बेटे को लेने के लिए भेज दिया। अंदर जाकर महिला का अल्ट्रासाउंड किया गया। जांच होने के बाद महिला ने टीम को इशारा किया तो मौके पर रुपये व डॉ सिद्दकी को पकड़ा गया। उससे उसके कागज मांगे गए तो वह कुछ नहीं दिखा पाया। टीम ने मौके से सभी कागजात व सीसीटीवी की डीवीआर तक अपने कब्जे में लेकर इसको सीज किया गया है।

गर्भवती महिला से पहचान पत्र नहीं मांगा

अस्पताल में गर्भवती महिला से कोई फीस नही ली गई और न ही कोई दस्तावेज पर हस्ताक्षर करवाए गए, कोई पहचान पत्र भी नहीं मांगा गया। अल्ट्रासांउड वाले कमरे में एक पुरूष डाक्टर मसूद जावेद सद्दिकी ने गर्भवती महिला की अल्ट्रासांउड मशीन से भ्रूण लिंग जंच कर कहा कि 28 अप्रैल को दोबारा आना क्योकि अभी बच्चे की लिंग जाच पक्के तौर पर नहीं हो पा रही है। उसके बाद गर्भवती महिला व साथ आई हुई अन्य महिला रेखा व दलाल सुमन के 15 वर्षीय लड़के के साथ अस्पताल से बाहर आ गए। गर्भवती महिला ने टीम रोहतक को इशारा करके बताया कि अल्ट्रासांउड हो गया है। तुरन्त दोनों टीमों रोहतक व बिजनौर ने अस्पताल के बाहर साहिल व दूसरे आरोपी को रोक लिया व उनके द्वारा किए गए गैर कानूनी कार्य बारे बताया व अपनी पहचान भी उनको बताई। दोनों टीमें गर्भवती महिला मनीषा, चालक साहिल व दलाल सुमन के लड़के को लेकर अस्पताल में अन्दर आ गए। वहाँ पर गर्भवती महिला मनीषा ने अल्ट्रासांउड करने वाले डाक्टर मसूद जावेद सद्दिकी की पहचान की। मौके पर ही टीम ने अपनी जांच शुरू कर दी।

रोहतक। सिनेमा हॉल में पहुंचे एक्टर रणदीप हुड्डा। फोटो : हरिभूमि

फिल्म का प्रमोशन करने पहुंचे एक्टर रणदीप हुड्डा

एक बार सभी को देखनी चाहिए 'जाट' फिल्म

- अपने गांव जसिया भी टीम के साथ पहुंचे, उपलों के साथ खिंचवाई फोटो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जाट फिल्म के प्रमोशन के लिए एक्टर रणदीप हुड्डा रविवार को अपनी टीम के साथ रोहतक पहुंचे। उन्होंने सिनेमा हॉल में फिल्म देखी और उसका प्रमोशन किया। उन्होंने सिनेमा हॉल से बाहर आकर कहा कि एक बार यह फिल्म सभी को देखनी चाहिए। आपको यह फिल्म जरूर पसंद आएंगी। इसमें आपको देशभक्ति से लेकर किसान हर तरह का किरदार देखने को मिलेगा। इसके बाद रणदीप साथियों के साथ गांव जसिया अपने पैतृक निवास स्थान पर पहुंचे, जहां छत पर उपलों के साथ फोटो लेकर इंस्टाग्राम पर शेयर की। दरअसल, सनी देओल की नई एक्शन फिल्म जाट इन दिनों सुर्खियों में छाई हुई है। उनके फैंस लंबे समय से इस फिल्म का इंतजार कर रहे थे। फिल्म में सनी के साथ रेजिना कैसेंड्रा, रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, राम्या कृष्णन और जगपति बाबू जैसे कई जबरदस्त एक्टर्स हैं। सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद फिल्म धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। पहले दो दिनों में फिल्म ने कम कमाई की, लेकिन तीसरे दिन फिल्म ने अपना ऐसा कमाल दिखाया कि हर कोई हैरान रह गया। तीसरे दिन फिल्म ने पहले दो दिनों से भी ज्यादा कमाई की। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में लगी है इसके बाद से ही फिल्म की कमाई बढ़ रही है।

रक्तदान करना मानवता की सबसे बड़ी सेवा

रोहतक। रक्तदान करना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है ये बात समाज सेवी नवीन जैन ने श्री महावीर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बाबरा मोहल्ला स्थित जैन धर्मशाला में आयोजित 17वें रक्तदान शिविर का शुभारंभ करते हुए कही। शिविर में 85 लोगों ने रक्तदान किया। यह रक्तदान कैंप वरिष्ठ पत्रकार महावीर जैन की स्मृति में आयोजित किया गया। सभी रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया गया। कैंप का शुभारंभ पत्रकार महावीर जैन के चित्र पर पुष्प अर्पित करके किया गया। संस्था प्रधान राजेश जैन ने 46वीं बार रक्तदान किया।

खेड़ी साध ने पाई को पराजित किया समचाना में टी 8 क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू

रोहतक। गांव समचाना में रविवार से पंचायती टी-8 क्रिकेट प्रतियोगिता प्रारंभ हुई। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के पूर्व प्रधान एवं भगत सिंह विचार समिति के अध्यक्ष रणधीर कटारिया ने स्पर्धा का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि किया। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया और शुभकामनाएं दी। कटारिया ने कहा खेल दिलों को जोड़ता है उन्होंने सभी खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ अनुशासन में रहकर इस प्रतियोगिता में अपना खेल प्रदर्शन दिखाने की बात कही । विशिष्ट अतिथि जिला पार्षद अमित रागी ने भी सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता में लगभग 15 टीम भाग ले रही हैं। उद्घाटन मैच में खेड़ी साध की टीम ने अपनी प्रतिद्वंदी टीम पाई को आसानी से हरा दिया। खेड़ी साध की टीम के कप्तान गोलू ने 23 गेंद में लगातार चार छक्के लगाकर 56 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। खेड़ी साध टीम के तेज गेंदबाज मनजीत तेज गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके और प्रतिद्वंदी की टीम को आसानी से हरा दिया। इस मौके पर पूर्व सरपंच रामेश्वर मेंबर पंचायत ओम कुमार हरिओम ग्रेवाल ने भी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। प्रबंधन समिति राहुल प्रजापत विक्की नैन पंकज ग्रेवाल, प्रवीण ग्रेवाल, चिंटू सत्यवान ने बहुत अच्छे से प्रबंध किया।

डॉ. अंबेडकर को भावभीनी श्रद्धांजलि

रोहतक। अंबेडकर चौक पर भरतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित दी। फोटो: हरिभूमि

बेटा होने की खुशी में थी पार्टी, पड़ोसी ने कई लोगों पर किया जानलेवा हमला

तीन घायलों को उपचार के लिए रोहतक पीजीआई में करवाया भर्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

लाखन माजरा थाना क्षेत्र के गांव चांदी में एक घर में बेटा होने की खुशी में पार्टी दी जा रही थी। इस पार्टी में पड़ोसी को भी बुलाया गया था। शराब पीने के दौरान पड़ोसी बिफर गया और उसने कई लोगों पर चाकू व डंडों से हमला कर दिया। एक महिला समेत तीन लोगों को उपचार के लिए रोहतक पीजीआई में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में चांदी गांव निवासी रविंद्र पुत्र रमेश ने बताया कि उसके भाई भूपेंद्र की पत्नी को 20 दिन लड़का पैदा हुआ था। कल उनके घर में पीलिया आया हुआ था और इसी खुशी में घर में पार्टी रखी गई थी। इस पार्टी में उसका भाई भूपेंद्र, पड़ोसी मुकेश और योगेश उर्फ मोटा एक साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इस दौरान मुकेश और योगेश की आपस में कहासुनी हो गई। झगड़े की आवाजें सुनकर वह भी उनके पास बैठक में आ गया। योगेश लड़ाई करता हुआ मुकेश को धमकी देकर अपने घर की ओर चला गया। उसने कहा की यहीं रुकना मैं देखता हूं। झगड़ा बढ़ते देखकर वह मुकेश को अपने मोटर साइकिल पर बैठाकर ले जाने लगा था। इसी दौरान योगेश उर्फ मोटा अपने घर की ओर से दौड़ता हुआ आया। उसके एक हाथ में चाकू और दूसरे में डंडा था। उसने चाकू से मुकेश के शरीर पर ताबड़तोड़ वार किए। उसने उसके सिर पर डंडा भी मारा। शिकायतकर्ता रविंद्र ने बताया कि उसने बचाव बचाव की आवाज लगाई तो उसकी आवाज सुनकर उसका भाई भूपेंद्र व उसकी मौसी सुदेश भी भागते हुए आ गए। योगेश ने इन दोनों पर भी चाकू से वार किए। जिस वजह से ये घायल हो गए। वहां पर काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। योगेश जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग गया। भूपेंद्र, मुकेश और सुदेश को उपचार के लिए रोहतक पीजीआई में भर्ती करवाया गया है।

रोहतक। मौके पर जांच करती एफएसएल टीम डॉ सरोज दहिया व पुलिस अधिकारी।

अलर्ट | बढ़ते साइबर क्राइम पर नियंत्रण करने की एसपी बिजारणिया की कवायद

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने के लिए एडवाइजरी जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र बिजारणिया ने बढ़ते साइबर क्राइम को लेकर लोगों को अलर्ट किया है। उनका कहना है कि किसी के साथ धोखाधड़ी की वारदात होती है तो वह अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। इसके लिए पुलिस की तरफ से पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाने का तरीका भी बताया गया है। एसपी नरेंद्र बिजारणिया बताया कि साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों को आमजन साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर जाकर भी दर्ज करा सकते हैं। आमजन से अपील कि जाती है कि साइबर पोर्टल पर जाकर साइबर अपराध से संबंधित शिकायतें दर्ज कराए। शिकायत दर्ज करने का तरीका बहुत ही सरल है। पोर्टल पर साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों को दो भागों में बांटा गया है। पहला महिला, बच्चों से संबंधित साइबर अपराध व दुसरा अन्य साइबर अपराध। महिलाओं, बच्चों से संबंधित साइबर अपराध की गुमनाम तरीके से या रिपोर्ट और ट्रैक तरीके से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत दर्ज कराने के लिए राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग की वेबसाइट पर क्लिक करें। शिकायत करने के लिए आपको सबसे पहले मै सहमत हूं बटन पर क्लिक करना होगा, उसके पश्चात उपयोगकर्ताका नाम और मोबाइल नम्बर डालेंगे। आप अपने मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त करने के लिए गेट ओटीपी बटन पर क्लिक करेंगे। इस पर क्लिक करने के बाद आपका ओटीपी सक्रिय हो जाएगा और सब्मिट बटन पर क्लिक करेंगे। यहां आपको एक शिकायत भरने के चार भाग मिलेंगे। जिसमें घटनाओं का विवरण, संदिग्ध विवरण, शिकायत विवरण और पूर्वदर्शन व जमा करना दिया होगा। आप घटना के बारे में विस्तार से बताए और सेव कर अगले बटन पर क्लिक करके आगे बढ़े। अगला कदम संदिग्ध व्यक्ति के बारे मे विवरण बताना है। यदि आपके पास संदिग्ध व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी नहीं है तो आप सेव बटन पर क्लिक कर आगे जारी रखने के लिए और अगले बटन पर क्लिक करें। अगले पेज पर आपको शिकायतकर्ता या पीड़ित का विवरण दर्ज करना होगा। सभी विवरण दर्ज करने के बाद सेव कर प्रीव्यू बटन पर क्लिक कर आगे बढे। यह अंतिम चरण होगा इससे पहले कि आप अपने शिकायत को अंतिम रूप दे उससे पहले आप अपनी शिकायत को दर्ज करने की पुष्टि करे और सब्मिट बटन पर क्लिक करने के बाद मैं सहमत हूं चेकबॉक्स पर क्लिक करें। शिकायत दर्ज होने के बाद आपको ईमेल और मोबाइल के माध्यम से जांच के बारे में आपको सूचित किया जाएगा।

यहां दर्ज करवाएं शिकायत

पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र बिजारणिया ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ किसी भी प्रकार का साइबर अपराध घटित हो जाता है तो इसकी शिकायतनेशनल साइबर क्राइम पोर्टल नम्बर 1930 या वेब पोर्टल पर या नजदीक पुलिस थाना मेंस्थित साइबर हेल्प डेस्क में अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते

केआईआईटी यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर में प्रतियोगिता आयोजित

एमडीयू ने जीती ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला क्रिकेट चैंपियनशिप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने की महिला क्रिकेट टीम ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट चैंपियनशिप (महिला) 2024-25 पर कब्जा जमाते हुए विजेता की ट्रॉफी अपने नाम की है। केआईआईटी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट चैंपियनशिप (महिला) के फाइनल मैच में कालीकट विश्वविद्यालय की महिला टीम को 7 रन से हराते हुए एमडीयू की महिला टीम ने यह उपलब्धि हासिल की है। फाइनल मैच में एमडीयू और कालीकट विश्वविद्यालय की महिला टीमों के बीच रोमांचक ट्वेंटी-20 मुकाबला देखने को मिला। एमडीयू महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 79 रन बनाए। एमडीयू की मंजीत 34 गेंदों पर 27 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। इस छोटे लक्ष्य को एमडीयू की सटीक एवं कसी हुई गेंदबाजी ने बड़ा बना हुए कालीकट विश्वविद्यालय को 20 ओवर में 7 विकेट पर 73 रन पर रोक दिया। एमडीयू की गेंदबाज गुलशन ने 4 ओवर में 8 रन देकर 3 विकेट लिए और प्रिया खासा ने भी 4 ओवर में 9 रन देकर 3 विकेट लिए। खिलाड़ी गुलशन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने विजेता बनने पर महिला क्रिकेट टीम और सपोर्टिंग स्टाफ को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस जीत को एमडीयू टीम की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि एमडीयू की अपनी बेटियों की इस उपलब्धि पर नाज है। एमडीयू के खेल निदेशक प्रो. रणदीप राणा ने भी महिला टीम की इस उपलब्धि पर विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

विजेता की टीम अपनी ट्रॉफी के साथ।

मित्रता की सच्ची परीक्षा संकट में नहीं, उत्कर्ष में होती है। जो मित्र के उत्कर्ष को बर्दाश्त कर सके, वही सच्चा मित्र होता है।
- हरिशंकर परसाई

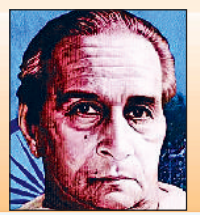

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।' 'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

कहानी
आशा खत्री 'लता'

अपने देश में

बाहर खिड़की से झांकते हुए अपने देश की शस्य- श्यामला धरती पर उगे हरे-भरे जंगलों, पहाड़ों को देखकर पिछले बहत्तर घण्टों में पहली बार उसके दिल को सुकून और मुख पर मुस्कान आयी थी। धरती पर तने नीलाम्बर को देख यूँ प्रतीत हो रहा था जैसे वह धरती का प्रहरी बन अड़ा खड़ा है। उसे लगा धरती, उस पर उगे पेड़-पौधे, आकाश और उसमें तैरते बादल, कभी पेड़ों के पत्तों और कभी बादलों के झुरमुट को उड़ाती पवन सबका आपस में गहरा रिश्ता है। सबका सुख-दुःख साझा है। दुःख, दर्द, पीड़ा, खुशी में सब एकत्रित होकर दुःखी को घेरकर ढाँढस बंधाते हैं, उसके दर्द को आत्मसात कर घटा देते हैं, बाँट लेते हैं।

विमान रनवे पर उतरने लगा था, उसे लगा कि पिछले 72 घण्टे से जिस दर्द के जाल में फँसकर वह फड़फड़ा रहा था, अब वह उसकी पकड़ से बाहर आ रहा है। माँ का हाथ थामे वह जैसे ही आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर बाहर आया, उसे कई परिचित चेहरे दिखाई देने लगे। जिन्हें देख माँ के मुँह से एकाएक शब्द फूटे-

'देख हेमंत।'

'हाँ माँ देख रहा हूँ, कृष्ण चाचा, शमशेर मामा, रोहित और अभिनव को।'

'हाँ' होंठ खुलने के साथ ही माँ की आंखें भर आई। हेमंत जिसे घर में सब प्यार से हनी कहते हैं अनुभव कर रहा था कि माँ तो जैसे इन तीन दिनों में ही पचपन की यंग लेडी बहत्तर की बुढ़िया हो गयी है। पापा हमेशा माँ को यंग लेडी ही तो कहा करते थे। क्योंकि वे थी ही ऐसी, बिलकुल लड़कियों-सी। आज वही हँसती-मुस्कुराती, ऊर्जा से ओत-प्रोत यंग लेडी 72 घण्टों में ही जैसे दुःख, दर्द उदासी की प्रतिमूर्ति बन गयी हैं। इन्हीं विचारों में डूबा वह सामने खड़े रिश्तेदारों तक पहुंचा तो देखा कि मामा ने तेज कदमों से आगे बढ़कर अपनी बहन को बाहों में भर लिया। उसे भी चाचा ने जिस अपनेपन से आलिंगन में लिया, वह अपनत्व की अनुभूतियों का चरम बिन्दु था।

'क्या हुआ तेरा पापा जो चला गया, मैं हूँ ना, तुझे कभी उसकी कमी अनुभव नहीं होने दूँगा।' कृष्ण चाचा ने सरगोशी की।

'जी चाचा जी, मैं समझता हूँ आपकी भावनाओं को, आपके स्नेह को।' उसने भर्राए स्वर में कहा।

'देख हनी, वह मेरा भाई था, तू उसके जिगर का टुकड़ा था तो हम दोनों भी एक ही जिगर के टुकड़े थे, एक माँ का दूध पिया, एक माँ के पेट से जन्म लिया। वह तो भाई की विदेश जाने की जिद थी वरना हम कभी अलग नहीं रहे। उसके चले जाने का दुःख मुझे मार डाल रहा है। परन्तु मैं उसको तुझमें देख रहा हूँ और तू भी उसको मुझमें अनुभव करना बेटे।' कहते हुए शमशेर चाचा की रुलाई फूट पड़ी।

माँ मामा से लिपटकर बिलख पड़ी थी। जैसे किसी नीर से लबालब भरी नदी पर बंधा बांध टूट गया हो।

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।'

'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

'मेरे घर की खुशियों को मेरी ही नजर लग गयी भाई। पहले दिन ही तो मैंने कहा था कि भगवान ने हमें सब कुछ दे दिया। अब हमें और क्या चाहिए। भगवान ने ऐसा क्यों किया भाई, भगवान ने उन्हें इतनी जल्दी क्यों बुला लिया?'

'चुप हो जा मेरी बहन, भगवान ने जिसकी जितनी साँसें लिखी हैं हम न उनसे एक अधिक ले सकते हैं न कम।'

आते-जाते लोग हमें देख रहे थे। हम अभी उनसे बेखबर थे। अतः इसकी ओर ध्यान दिलाते दोनों चचेरे भाइयों ने हमें सहारा देते हुए गाड़ी में बैठाया। सामान वे पहले ही रखवा चुके थे।

गाड़ी में बैठने के बाद भी मम्मी, मामा से रोते-रोते बातें करती रही। उनकी रुलाई उनके रोकने के प्रयास के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रही थी। मैं जो पिछले तीन दिनों के घटनाक्रम पर माँ की चुप्पी को उनकी बहादुरी समझ रहा था। अब देख रहा था उनके बिखर जाने को। शायद यह अपनों के साथ

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था। मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

का असर था। वहाँ हम अकेले थे। पापा ने उस दिन शाम को छाती में दर्द अनुभव किया तो हमने कहा चलो आपको डॉक्टर के पास ले चलते हैं।

'नहीं, हनी अब तो अपने देश जाकर ही दिखाऊंगा।' अपने देश लौटने के उनके उत्साह के आगे हम सब बार-बार आग्रह करके भी मौन साधने को विवश हो गए। अब सोचता हूँ यह मौन हमें कितना भारी पड़ा? काश! हम पापा के उत्साह के आगे हथियार नहीं डालते। रात को ही पापा छाती में मामूली से दर्द के बाद हम सबको छोड़कर चले गए। एकाएक जो हुआ उसे देख हमारे हाथ-पाँव फूल गए। इस सबके बावजूद माँ ने हिम्मत दिखाते हुए कोमल को नन्हें कुशल के साथ कमरे में ही रहने का आदेश दे दिया।

मुझे एकाएक बुआ के बेटे सचिन का ध्यान आया जो हमसे पन्द्रह मिनट की दूरी पर ही रहता था। वही अमेरिका में हमारा एकमात्र अपना, दोस्त, खैरख्वाह था। उसे सूचना दी तो वह आधे घण्टे में ही हमारे पास पहुँच गया। परन्तु वह भी वहाँ इस तरह की स्थिति से कभी न गुजरा था। हम सब बहुत ही असहाय अनुभव कर रहे थे। मैं और माँ कभी पापा को छूते, कभी उनसे लिपटते और ईश्वर से बारम्बार प्रार्थना करते कि काश! वे अब भी पापा की सांसें लौटा दें, काश! वे अब भी उठ बैठें।

अपना देश तो सात-समंदर पार था और हम नहीं जानते थे कि इस अनजानी जगह पर हम पापा की पार्थिव देह का अंतिम संस्कार कैसे और कहाँ करें। आज यह सुन्दर और आकर्षक मुल्क हमारे लिए नितान्त अजनबी हो गया था।

इस बीच सचिन ने अपने एक दोस्त के माध्यम से एक पण्डित का पता लगा लिया, जिनसे संपर्क कर हमें आगे की कार्रवाई और पापा के संस्कार के लिए मार्गदर्शन और सहयोग मिला। उनके प्रयासों से जैसे-तैसे अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ। अगले ही दिन हम तय कार्यक्रम के अनुसार भारत के लिए चल पड़े। यह भी किसी ईश्वरीय शक्ति की कृपा मैंने हम पर अनुभव की कि हमारी टिकटें पहले से बुक थी।

इस दौरान हमने जो अकेलापन अनुभव किया, वह हम माँ बेटों के लिए जीवन का सबसे कटु अनुभव था, जिसमें हमने अपनों के साथ होने की आवश्यकता को हर पल शिद्दत से महसूस किया। यही तड़प निरन्तर मन को कचोटती रही कि काश! कोई अपना आकर गले से लगा ले तो हम जी भरकर रो लें। परन्तु वहाँ ऐसा कोई न था जो हमारे इस घोर दुःख में मन का साथी बनता। यहाँ अब जब अपनों ने गले लगाया तो उनके आलिंगन की ऊष्मा ने दिलों में जमे दर्द के पत्थर को पिघला दिया। आँखें रास्ता बन गयी और वह वेग से बाहर बहने लगा।

एक घण्टे का सफर तय कर बोलते-बतियाते, उन अथाह दुखों के पलों को अपनों से साझा करते हम दोनों की हालत पहले से कुछ-कुछ ठीक हो चुकी थी। गाँव में प्रवेश किया तो लोग रुक-रुक कर, एक तरफ होकर गाड़ी को रास्ता देने लगे। उनके व्यवहार में सम्मान और अपनत्व की झलक थी जैसे सारे गाँव को पता हो कि महेश को खोकर उसके बालक गाँव लौटे हैं।

अपनी गली में मुड़े तो पूरी गली लोगों से भरी हुई थी। यहाँ भी लोगों ने बड़े स्नेह से हमारी गाड़ी को रास्ता दिया। घर के सामने पहुँचकर तो घर-कुनबे और रिश्तेदारों ने हमें घेर लिया। बुआ चाची, मौसी, भाभी, चचेरे, ममेरे, फुफेरे जैसे सब रिश्तेदार हमारा दुख बाँट लेने को आतुर थे।

बड़ी बुआ से माँ का सदैव से गहरा स्नेह रहा है उनसे लिपटकर तो माँ बिलख ही पड़ी 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी'

ऐसे द्रवित कर देने वाले उद्गारों से बुआ भी अपना धैर्य खो रही थी

'कहाँ छोड़ आई विमल मेरे भाई को, मेरे महेश को।'

'तू तो शांति रख यशवंती, इसे सम्भाल। ले पानी पी और अपनी भाभी को पिला। देख क्या हाल हो गया है इन माँ-बेटों का।' पिता की चाची ने दोनों को समझाते हुए कहा।

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था।

मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

उधर, आज विमला को यह पानी भी अमृत लग रहा था। वह भी यही मन बना रही थी कि अब वे यही रहेंगे अपने देश में, अपनों के बीच।

लघुकथा
शकुंतला अग्रवाल शकुन

भिखारी

सुरेन्द्र जी ने अपने बेटे (पियूष) की पढ़ाई-लिखाई करवाने में कोई कसर नहीं रखी थी वैसे ही बेटे ने भी मेहनत से कभी जी नहीं चुराया था। नतीजन वह सॉफ्टवेयर इन्जीनियर बन कर बैंगलौर में सेटल हो गया। कुछ दिनों बाद ही अपनी सहकर्मी से शादी भी कर ली। अपना जीवन अपनी मर्जी से जीता है, माता-पिता की कभी खैर-खबर भी नहीं लेता। माता-पिता कभी कहते कि बेटा! कुछ दिनों के लिए हमारे पास भी आ जाओ तो समयाभाव की बोल कर इतिश्री कर लेता।

आखिरकार माता-पिता ने आपसी सहमती से अपनी सारी जमापूँजी वृद्धाश्रम को दान करने का मानस बनाकर, वहीं रहने भी लगे।

जब इस बात का बेटे को पता लगा तब तुरंत चला आया, आकर पिता से बोला-

'आपकी जमापूँजी पर केवल मेरा अधिकार है, वह मुझे ही मिलनी चाहिए।'

तब पिता बोले- कौनसा अधिकार? जिसको कर्तव्य याद नहीं ,उसके द्वारा अधिकारों की माँग करना, ऐसे लगता है जैसे द्वार पर कोई भिखारी खड़ा हो।

गजल
किरण यादव

वो तो इक दीवाना है
उसको क्या समझाना है

कुछ खोना, कुछ पाना है
जग का ताना - बाना है

ये दुनिया कुछ और नहीं
एक मुसाफ़िरख़ाना है

राजा, रंक, गृहस्थ, फ़क़ीर
इक दिन सबको जाना है

अपनी तो क़िस्मत में ही
हर दिन धोखा खाना है

चांदनी केशरवानी सुगंधा

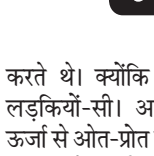

दिव्य प्रेम की धारा

अंतस में बहती जिसके बस, दिव्य प्रेम की धारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

कृष्ण साधना पूरी तब ही,जब राधे का गान हुआ।
प्रेम-दिवानी मीरा के हित,विष भी अमृत पान हुआ।
मन-नौका को प्रेम-सिंधु के, जिसने बीच उतारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

राधे के बिन सदा अधूरे,सबको ही घनश्याम दिखे।
सीता ने जब दर्पण देखा, तब तब ख़ुद में राम दिखे।
शबरी जैसे प्रबल प्रेम का ,जिसने लिया सहारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

वैदेही का त्याग-समर्पण, राम-कथा का सार बना।
सच्चाई ने छल को जीता, दीवाली त्योहार बना।
पावन प्रणय-भाव से चमके जिसका हृदय सितारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

पं. कमलकांत भारद्वाज

वक़्त ख़राब चल रहा था महंगी घड़ी ख़रीद ली
मुझे दोस्ती के लायक़ ना समझा और महोब्बत ख़रीद ली

मैं इतना परेशान हो चुका था ज़िंदगी में
सब कुछ बेच दिया और ज़हर की शीशी ख़रीद ली

मेरी नज़रों में अब गिर चुके है वो लोग
जिसने ईमान बेच दिया और सियासत ख़रीद ली

हमें अब डर नहीं लगता किसी का जनाब
हम वो हैं जिसने कफ़न बेच दिया और मौत ख़रीद ली

तवायफ़ से रूबरू हुए थे हम एक बार
पता चला कि उसने जिस्म बेच दिया और रूह ख़रीद ली

इतना रोए हैं एक शख़्स की याद में 'कमल'
नींद चैन सब बेच दिया और उसकी यादें ख़रीद ली।

राज ख्यालिया

विकास या विनाश

हरी-भरी थी धरती अपनी, पेड़ों से थी इसकी शान,
अब मशीनें चलने लगीं, कट रहे हैं सबके प्राण।

जंगल की छाँव थी जहाँ, थे पंछियों के मीठे बोल,
अब वहाँ बस शोर है, धूल और है बस कोलाहल।

भालू, हिरण, हाथी, गिलहरी सब कहाँ जाएँ?
घर उजाड़ कर उनका, हम क्या ही ऐसे पाएंगे

आईटी पार्क बनेगा, ऊँची इमारतें होंगी खड़ी,
पर किस कीमत पर? क्यों धरा पर ये ग़लती बड़ी?

कहो ये कैसा विकास है, जिसमें जीवन ही मिटे?
कैसी ये रौशनी कैसा उजाला जब साया भी कटे?

संभल जा ए खुदगर्ज इंसान, अब भी समय है,
जंगल के संग खुद को बचा यही असली विजय है।

साहित्यकार एवं कवि डा. अशोक अत्री का इस आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौती को लेकर कहना है कि आज खासतौर से हरियाणवी साहित्य बदलाव के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस बात की आवश्यकता है कि साहित्य में गहन अध्ययन मनन करने से ही समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करने पर फोकस होना चाहिए, ताकि समाज में तेजी से उभरती कुरीतियों को दूर करने में मदद मिल सके।

साक्षात्कार
ओ.पी पाल

समाजहित में साहित्यिक अध्ययन का खास महत्व : डा. अशोक अत्री

साहित्य के क्षेत्र में गद्य और पद्य दोनों विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे लेखक समाज को नई दिशा देने के मकसद से अपने रचना संसार को दिशा दे रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में शिक्षाविद् डा. अशोक कुमार अत्री भी अपनी लेखनी से सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों के अलावा प्रकृति, पर्यावरण और सभ्यता तथा रीति-रिवाजों को अपनी रचनाओं में समाहित करके संस्कृति के संवर्धन करने में जुटे हुए हैं। एक शिक्षक के रूप में वे कॉलेज में सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए युवा पीढ़ी को साहित्य से जुड़े रहने सीख देकर उन्हें विशेष रूप से हरियाणवी संस्कृति के देश विदेशों में बढ़ते प्रचार एवं प्रभाव का मौका दे रहे हैं।

हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डा. अशोक कुमार अत्री ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कुछ ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें साहित्य समाज को सकारात्मक संदेश देने में सक्षम है। हरियाणा के कैथल स्थित आरकेएसडी कॉलेज में सहायक प्रोफेसर डा. अशोक कुमार अत्री का जन्म 09 जनवरी 1974 को जींद जिले के गांव ऐचरा खुर्द में मामन राम व शांति देवी के घर में हुआ। उनका यह गांव साहित्यिक चेतना के स्थल के रूप में समृद्ध एवं प्रसिद्ध रहा है। अशोक के दादा पं ज्ञानीराम क्षेत्र के प्रसिद्ध गायक रहे हैं, तो उनकी दादी भी लोक सत्संग में लीन रहती थी। उनके पिता पं मामनराम एवं चाचा पं राजेंद्र शास्त्री रामलीला के मंजे हुए कलाकार रहे हैं। मसलन उनके परिवार में साहित्य और सांस्कृतिक माहौल रहा है लेकिन उनका साहित्यिक सफर बहुत बाद में शुरू हुआ यानी शिक्षण कार्य में आने के बाद ही उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि उन्हें लेखन करना चाहिए।

उनका पहला कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' जिसमें उनके जीवन संघर्ष से जुडी यादें समाहित है और इसकी थीम कविता 'वो दिन' एक लम्बी कविता है। इस संग्रह में जीवन के विभिन्न आयामों से सम्बंधित कविताएं शामिल हैं। विशेष रूप से हरियाणावी संस्कृति एवं उसके विभिन्न पक्षों को भी इसमें समायोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि जब उनके चचेरे भाई आनंद को उनके द्वारा लेखन करने का पता लगा, तो उन्होंने अपना पब्लिकेशन शुरू किया एवं उनके कविता संग्रह की हजारों प्रतियाँ छाप दी। उन्होंने गांव का तालाब कविता का जिक्र करते हुए बताया कि ग्रामीण समाज में तालाब गांव की जीवन रेखा होते थे, कपडे धोना, नहाना, पशुओं को नहलाना, महिलाओं के द्वारा रीति रिवाज़ सभी इससे जुड़े होते थे, लेकिन अब ये ऊझाड, बेजान पड़े हैं, कब्जाग्रस्त हैं इसलिए यह मुद्दा भी सामाजिक सरोकार से जुड़ा है। इसी प्रकार बदलते परिवेश में सामाजिक और तीज त्यौहार व रीति रिवाज की चर्चा को लेकर भी उनके लेखन का फोकस रहा है। मसलन महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' एक और अन्य महत्वपूर्ण रचना में उन्होंने समकालीन समय में गांधी के आदर्शों के प्रति जनता की उदासीनता को उजागर किया है। इसके अलावा प्रकृति से जुड़ी कविताओं में पर्यावरण की समस्या को उठाया गया है। वहीं समाज की सजगता के लिए पति-पत्नी सम्बन्धों, नौजवानों और बच्चों पर भी उन्होंने कविताएं लिखी हैं। जीवन में उतार चढ़ाव आना भी स्वाभाविक है और उनके सामने भी स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याएं उभरी और घबराहट से बचने का अलग तरीका ढूंढने लगा। कविता लेखन के साथ कहानी भी लिखना शुरू किया, तो राहत मिली। इसके बाद उनका कहानी संग्रह 'फिर सुबह' और उसके बाद कविता संग्रह 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर' प्रकाशित हुआ।

उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं, एक शिक्षक के रूप में महाविद्यालय में आज भी उनके पास सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी हैं, जिसमें महाविद्यालय राज्यस्तरीय रत्नावली कार्यक्रम का विजेता होने के कारण वह हरियाणवी संस्कृति पर ज्यादा जोर देते आ रहे हैं। नई पीढ़ी को वे विशेषरूप से सांग, रिचवल, चौपाल, नृत्य को विशेष तवज्जो एवं फुलझड़ी एवं बिंदरवाल बनाना जैसी विधाएं सिखा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. अशोक कुमार अत्री की प्रकाशित प्रमुख पुस्तकों में कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' और 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर', कहानी संग्रह 'फिर सुबह' के अलावा पुस्तक 'भारत एवं मध्य एशिया के गणराज्य' हैं। जबकि उनकी दो कृति यानी रचना 'ये कौन छायाकार है' और एवं 'यात्रा वृत्तांत' प्रकाशनाधीन है। उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं उनकी महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' भी सुर्खियों में रही है।

डा. अशोक कुमार अत्री

पुरस्कार व सम्मान

साहित्यकार डा. अशोक अत्री को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनकी पुस्तक के लिए प्रकाशन प्रोत्साहन के लिए नकद राशि दी है, तो वहीं उन्हें साहित्य सभा कैथल से बीबी भारद्वाज समृति सम्मान, हरियाणा संस्कृत अकादमी से प्रशस्ति पत्र, अग्रवाल सभा कैथल से साहित्य सम्मान, डीएवी महाविद्यालय करनाल से सांग विधा के प्रचार प्रसार के लिए सम्मान जैसे अनेक पुरस्कार व सम्मान से नवाजा गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. अशोक कुमार अत्री
जन्मतिथि : 09 जनवरी 1974
जन्म स्थान : गांव ऐंचरा खूर्द, जींद (हरियाणा)
शिक्षा : बी.ए, बी.एड. एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
संप्रति : असिस्टेंट प्रोफेसर(राजनीतिक शास्त्र), लेखक, साहित्यकार

संस्कृति व आस्था का प्रतिबिंब 'श्री श्याम महिमा'

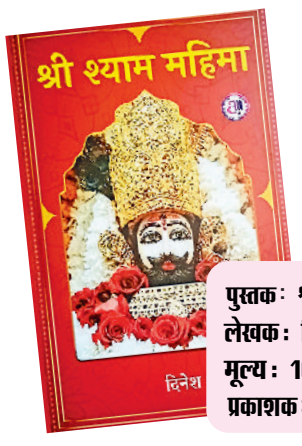

पुस्तक : श्री श्याम महिमा
लेखक : दिनेश शर्मा 'दिनेश'
मूल्य : 160 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन

पुस्तक समीक्षा
ललित शर्मा

श्री श्याम महिमा दिनेश शर्मा 'दिनेश' द्वारा लिखित एक उत्कृष्ट पुस्तक है जो भारतीय संस्कृति, सभ्यता और धार्मिक आस्थाओं का संपूर्ण परिचय प्रस्तुत करती है। इस पुस्तक में न केवल भारत की धार्मिक धरोहरों का विस्तार से वर्णन किया गया है, बल्कि श्री श्याम के आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है। अपनी गहन अध्ययनशीलता और संवेदनशीलता के साथ लेखक ने इस कृति को तैयार किया है, जो न केवल भक्तों के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि सामान्य पाठकों के लिए भी उपयोगी है। पुस्तक में कुल छह खंड हैं, जो विभिन्न पहलुओं पर आधारित हैं।

भारत एक परिचय - इस खंड में लेखक ने भारत की भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की है। यह खंड भारत की विविधता, उसकी एकता और समृद्ध इतिहास का संक्षिप्त विवरण देता है।

सभ्यता संस्कृति और भारत - इस खंड में लेखक ने भारत की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और उसके मूल्यों पर विचार किया है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, जिसमें विविध संस्कृतियों और धर्मों का समावेश है, का प्रभावी चित्रण किया गया है।

भारत के पवित्र तीर्थ एवं धाम - यह खंड विशेष रूप से तीर्थों और भारत के पवित्र स्थलों पर केंद्रित है। यहाँ लेखक ने भारत के विभिन्न तीर्थस्थलों की पवित्रता और उनके धार्मिक महत्व का वर्णन किया है। पुस्तक का यह हिस्सा पाठकों को भारत के धामों की यात्रा करवाता है।

ऐतिहासिक संदर्भों में श्री श्याम - इस खंड में श्री श्याम जी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला है। ऐतिहासिक स्रोतों और ग्रंथों के माध्यम से श्री श्याम जी के अस्तित्व और उनके योगदान का विवेचन किया गया है।

लौकिक संदर्भों में श्री श्याम - इसमें लेखक ने श्री श्याम जी के लौकिक जीवन, उनके विचारों और कर्मों के प्रति समाज में फैले विश्वास का वर्णन किया गया है।

सुप्रसिद्ध श्री श्याम तीर्थ - यह खंड विशेषकर हरियाणा के श्री श्याम के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों पर केंद्रित है। लेखक ने उन स्थलों का विशेष विवरण दिया है।

कुल मिलाकर, यह पुस्तक भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्थाओं को समझने के लिए एक आदर्श कृति है। यह पुस्तक निश्चित रूप से उन सभी पाठकों के लिए लाभकारी होगी जो भारतीय धार्मिक परंपराओं और श्री श्याम जी के आध्यात्मिक महत्व को गहराई से समझना चाहते हैं। लेखक दिनेश शर्मा को उनके इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

पीएनबी ने 131वां स्थापना दिवस मनाया

रोहतक। पंजाब नैशनल बैंकने अपने 131वें स्थापना दिवस को दो दिवसीय कार्यक्रमों के साथ उत्साह से मनाया। सोनीपत रोड स्थित मण्डल कार्यालय में इन कार्यक्रमों का सफल आयोजन हुआ। जिसका नेतृत्व नवनियुक्त सर्कल हेड आरजू परवीन ने किया।
मंडल कार्यालय में सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन सार्वजनिक जनसमुदाय के लिए किया गया। जिसमें निजी अस्पताल के विशेषज्ञों की टीम ने सहयोग दिया। यह शिविर बैंक के ग्राहकों, कर्मचारियों, पूर्व कर्मचारियों और बैंक के वरिष्ठजनों द्वारा बड़ी संख्या में उपस्थित होकर सफल बनाया गया। इसके बाद कैंसर डिटेक्शन और जागरूकता शिविर का आयोजन सर्कल कार्यालय में किया गया, जिसमें बैंक के रिटायरीज विंग ऑल इंडिया पीएनबी पेंशनर्स एंड रिटायरीज एसोसिएशन की भागीदारी रही। राज्य सचिव एमएल अरोड़ा, केएल विज कोषाध्यक्ष, एसएस डागर, केशव डिंगरा, जय किशन, एमके जैन, अर्चना, पुष्पा बत्रा, मनीष कुमार व सोनिका भाटिया ने शिविर के संचालन में मदद की। चिकित्सकीय और तकनीकी सहायता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश चंद्र आर्य, वरिष्ठ डॉक्टर डॉ. अर्जुन नरूला और नरूला डायग्नोस्टिक सेंटर की पूरी टीम ने प्रदान की।

हर्षोल्लास से मनाई डॉ. अंबेडकर की जयंती

महम। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मोखरा में एनएसएस यूनिट-1 द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती उत्सव श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यालय में विभिन्न शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता साइकोलॉजी विषय के प्रवक्ता रवि और राजनीति शास्त्र प्रवक्ता डॉ. अजय कौशिक रहे। दोनों वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के सामाजिक योगदान, शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण तथा भारतीय संविधान के निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विचार प्रस्तुत किए।

स्वयंसेवकों को संविधान की शपथ दिलाई

महम। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सतीश दांगी के निर्देशन में सभी एनएसएस स्वयंसेवकों को भारतीय संविधान की शपथ दिलाई गई। जिसमें विद्यार्थियों ने समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांतों का पालन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने डॉ. अंबेडकर के विचारों को सृजनात्मक रूप में प्रदर्शित किया। साथ ही डॉ. भीमराव अंबेडकर पर आधारित क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समाज में बढ़ रही गन कल्चर और अश्लील गानों की प्रवृत्ति की घोर निंदा की

- सभा में दो अहम सामाजिक प्रस्ताव पारित कर उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आर्य समाज बोहर के तत्वावधान गांव बोहर में विशाल जनसभा का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ राष्ट्र कल्याण की कामना के साथ हुआ। इस आयोजन में मुख्य यजमान की भूमिका ऑस्ट्रेलिया से पधारे वीरेंद्र आर्य एवं चौधरी रामकिशन नांदल ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन आर्य समाज बोहर के प्रधान धनीराम आर्य की देखरेख में हुआ। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने वैदिक हवन यज्ञ में आहुतियां दी और नशीले पदार्थों जैसे शराब, हुक्का आदि से दूर रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आर्य समाज के युवा प्रवक्ता कृष्णदेव शास्त्री ने समाज में बढ़ रही गन कल्चर और अश्लील गानों की प्रवृत्ति की तीव्र निंदा की। उन्होंने सरकार से ऐसे गानों को दोबारा अपलोड करने वालों पर सख्त कानूनी कार्यवाही की मांग की। सभा में दो अहम सामाजिक प्रस्ताव पारित कर उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री और हरियाणा के मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया, जिसमें बिना विवाह संबंधों और विवाह के बाद सहमति से बने संबंधों को अवैध घोषित किया जाए। केवल गांव, गुहाड़ एवं गोत्र छोड़कर किए गए विवाह को ही वैध माना जाए, क्योंकि यह परंपरा संतानों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए वैज्ञानिक रूप से उपयुक्त मानी जाती है।

मर्यादित जीवनशैली अपनाने की अपील

वक्ताओं ने गीता और राम-कृष्ण के आदर्शों का हवाला देते हुए समाज में शुद्ध और मर्यादित जीवनशैली अपनाने की अपील की। जनसभा ने समाज में नैतिक मूल्यों की पुनः स्थापना और युवाओं को दिशा देने का संदेश दिया, जो आने वाले समय में एक सकारात्मक परिवर्तन की ओर संकेत करता है। इस कार्यक्रम में नांदल खाप के कोषाध्यक्ष डॉ. सुरेश नांदल, प्रेम सिंह नांदल, अरुण नांदल, कृष्ण पहलवान (बाली गांव), रोहतास राणा (राणा खाप), रामचंद्र हुड्डा (मस्तनाथ नगर), अमित कुंडू (कुंडू खाप), राजेंद्र हुड्डा (हुड्डा खाप), बलदेव शास्त्री (श्योराण खाप), संजय राणा, प्रदीप राणा, महावीर शास्त्री देशवाल एवं सुभाष आर्य (जिला अधिकारी, वेद प्रचार मंडल रोहतक), वार्ड 9 से पार्षद मनीषा, वार्ड 11 से प्रत्याशी परीक्षित देशवाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

खास बातें

- ऐसे गानों को दोबारा अपलोड करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग

श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीम के प्रतिभागियों को किया सम्मानित

एमडीयू ने जीता श्रेष्ठ विजेता का खिताब डीएमई लॉ स्कूल रहा उप विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के गुरुग्राम स्थित एमडीयू- सेंटर फॉर प्रोफेशनल एंड एलाइड स्टडीज (सीपीएएस) में आयोजित दो दिवसीय तीसरी राष्ट्रीय मूट कोर्ट 2025 संपन्न हो गई। इस प्रतियोगिता में एमडीयू की टीम ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि डीएमई लॉ स्कूल की टीम उप विजेता बनी।

सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार पारुल विश्वविद्यालय गुजरात कि प्रतिभागी महक ठाकर, बेस्ट मेमोरियल पुरस्कार बेनेट विश्वविद्यालय, नोएडा की टीम को मिला। वहीं सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार पार्थ सिवाच, महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक को मिला। इस प्रतियोगिता में 60,000 रुपए से अधिक की नकद राशि पुरस्कार स्वरूप विजेता प्रतिभागियों को प्रदान की गई। गुरुग्राम के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनील चौहान ने बतौर मुख्यातिथि इस प्रतियोगिता के समापन सत्र में शिरकत की और विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि मूट कोर्ट एक कानूनी प्रयोगशाला है जो विद्यार्थियों को व्यवहारिक अनुभव प्रदान करने का सर्वोत्तम मंच है, जहाँ वे न्यायिक प्रक्रिया को समझाते हुए, अपने तर्कों, भाषा और प्रस्तुतीकरण में निखार ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थी न्यायपालिका के प्रति अधिक सजग, संवेदनशील

विशिष्ट अतिथि प्रो. वागेश्वरी देसवाल दिल्ली विश्वविद्यालय ने संबोधन में भारत में कानूनी शिक्षा के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आज आवश्यकता है कि विधि शिक्षा में अनुभवात्मक अधिगम, नैतिक शिक्षा और बहु विषयक दृष्टिकोण को समाविष्ट किया जाए। उन्होंने मूट कोर्ट जैसी गतिविधियों को विधिक शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बताया, जो छात्रों को व्यावहारिक चुनौतियों के लिए तैयार करती हैं। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सिमरपाल ने छात्रों को वकालत की दुनिया के वास्तविक अनुभवों से अवगत कराया और उन्हें स्पष्ट, तैयारी और पेशेवर प्रतिबद्धता की अहमियत समझाई।

अतिथियों का स्वागत किया

एमडीयू-सीपीएएस निदेशक प्रो. प्रदीप के. अहलावत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं संस्थान की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। प्रो. अहलावत ने बताया कि मूट कोर्ट प्रतियोगिता के दूसरे दिन सेमीफाइनल और फाइनल राउंड आयोजित किए गए, जिसमें देशभर से चयनित चार टीमों ने भाग लिया।

प्रभावशाली तर्क देकर दिखाई प्रतिभा

फाइनल मुकाबला एमडीयू रोहतक और दिल्ली मेट्रोपॉलिटन लॉ स्कूल के बीच हुआ, जिसमें दोनों टीमों ने प्रभावशाली तर्क और विधिक विश्लेषण प्रस्तुत किया। एम.डी.यू. रोहतक की टीम श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए विजेता बनी। उन्होंने मूट कोर्ट सोसाइटी, प्राध्यापकों और विद्यार्थियों के योगदान की प्रशंसा करते हुए प्रतियोगिता को सफल बनाने हेतु सभी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर एडीए हिमांशु यादव, प्रो. प्रदीप चौहान (केंद्रीय विवि हरियाणा) तथा अन्य न्यायविदों द्वारा मूल्यांकन किया गया, उन्होंने प्रतिभागियों के उच्च स्तरीय विधिक ज्ञान और प्रस्तुति की सराहना की।

शिविर में रक्तदाताओं को सम्मानित करते युवा नेता आशीष सिंधु व अन्य आयोजक ।

शिविर में 50 यूनिट रक्त एकत्रित

रोहतक। डॉ भीमराव आबेडकर की 134 वी जयंती पर युवाओं ने जींद रोड पर रक्तदान शिविर लगाया इस दौरान करीबन 50 यूनिट रक्त इकट्ठा हुआ जिसे पीजीआई में भेज दिया गया। जानकारी देते हुए भोरिया सर्विस स्टेशन के संचालक आशु भोरिया ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी डॉक्टर भीमराव आबेडकर की जयंती पर रक्तदान शिविर लगाया गया है। उन्होंने बताया कि हर साल युवा इकट्ठे होकर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर सामाजिक कार्य करते हैं व रक्तदान शिविर लगते हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान मुख्य अतिथि कलानौर से युवा नेता आशीष से सिंधु पहुँचे। उन्होंने सबसे पहले डॉक्टर भीमराव आबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और बाद में रक्तदान कर रहे युवाओं से मुलाकात की। इस दौरान आयोजक कर्ता आशु भौरिया ने 11वी बार ,विक्की लुखड़(थाना कलां) ने 5वी बार,आदर्श भौरिया ने 6वी बार,विक्रांत ओहल्याण ने 9वी बार, प्रविंद्र भौरिया ने 15 वी बार, विकास भौरिया ने 7 वी बार,पंकज ने 6वी बार,जितेंद्र ने 8वी बार रक्त दान किया।

हनुमान जयंती पर हवन और भंडारे का आयोजन

रोहतक। बनियानी स्थिति प्राचीन श्री हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती के अवसर पर हवन यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया गया। सभी ने हवन में आहुति दी और प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर जागरण का भी आयोजन किया गया। कलाकारों ने भगवान हनुमान की महिमा का गुणगान किया। मेयर राम अवतार वाल्मीकि व नरेंद्र प्रजापति को भगवान हनुमान की मूर्ति भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष अजय बंसल, बेदा, विक्रम परमार, अशोक कुमार, वीरेंदर फौजी, सुमित, राजेश प्रधान, सनी चौहान, उमेद, अजय ठाकुर, गोविंद, बिट्टू, महिपाल सरपंच आदि उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट सेवा करने वाले व्यक्तित्वों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शुभकामनाओं के साथ किया सम्मानित

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की 7, महाराष्ट्र की 6, राजस्थान की 4 तथा तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की प्रतिभावान महिलाओं को नारी शक्ति एपीजे अब्दुल कलाम अवार्ड से सम्मानित किया गया। मंच संचालन सुष्मिता डे ने किया। कैसल ऑफ आर्ट यूनिवर्सिटी की ओर से डॉ. निशा राजपूत ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

कैसल ऑफ आर्ट यूनिवर्सिटी द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें देश भर से चयनित विशिष्ट व्यक्तित्वों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधियां तथा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस विशेष आयोजन में शिक्षा, खेल, समाजसेवा और आध्यात्मिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अनेक प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दी गई। समारोह की अध्यक्षता मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के चेयरमैन सीपी यादव ने की। इस आयोजन में हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, उत्तराखंड, बंगाल सहित कई राज्यों की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। चंडीगढ़ व हरियाणा के अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज़ कोच सहित 4 ख्याति प्राप्त कोच को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा गया। नाशिक (महाराष्ट्र) से ब्रह्मऋषि गुरुवानंद से जुड़ी अरुणा काशीनाथ पगार पाटिल को उनकी अध्यात्म सेवा के लिए डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने यह सम्मान अपने गुरु गुरुवानंद को समर्पित किया। वहीं पुणे से द्वादश ज्योतिर्लिंग ट्रस्ट की सदस्य व अखिल भारतीय गौड़ समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष रही तथा 20 से अधिक सामाजिक व शिक्षण संस्थाओं से जुड़ी विधा जगदीश जोशी को भी डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया।

रोहतक। कैसल ऑफ आर्ट यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मान पाते हुए विशिष्ट व्यक्ति। *फोटो : हरिभूमि*

धूमधाम से मनाया बैशाखी उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंजाबी विकास सभा द्वारा रविवार को को बैशाखी उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मानसरोवर पार्क में मनाया गया। महिला सदस्यों ने भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया। प्रतिभागियों द्वारा भंगड़ा, गिद्दा, कविताएं, देशभक्ति गीत, भजनों की प्रस्तुति के साथ-साथ आतिशबाजी ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। छोटे बच्चों द्वारा दी गई गिद्दे की प्रस्तुति ने खूब तालियां बंटोरी व उनको पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रसिद्ध कवि वीरेंद्र मधुर ने भी अपनी प्रस्तुति द्वारा सभी को गुदगुदाया। मंच संचालन अशोक ठकराल द्वारा किया गया। महासचिव गुलशन उप्पल ने सभा के इतिहास व उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। सभा अध्यक्ष अनिल भाटिया ने बैसाखी पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी का धन्यवाद किया व बैसाखी पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर, नगर निगम के मेयर राम अवतार वाल्मीकि के भाई डॉ. सुरेंद्र आर्य, पार्षद अनीता मिगलानी, पार्षद कपिल नगपाल, भाजपा नेता अशोक चौधरी, सभा के उपाध्यक्ष नन्द कपूर, अश्वनी खुराना, अनिल बजाज, कोषाध्यक्ष हरिन्द्र चावला, सह कोषाध्यक्ष रमेश आहूजा, सह-सचिव कृष्ण लाल गिरधर, कार्यकारिणी सदस्य विजय गुगनानी, विजय कपूर, मदन मुखीजा, यशपाल भाटिया, संजय कालड़ा, संजीव, कपिल, गौरव मनचंदा, महेंद्र भाटिया आदि रहे।

मोखरा मंडल कार्यालय में बैठक

रोहतक। 14 अप्रैल को हरियाणा में होने वाले दो ऐतिहासिक कार्यक्रमों और डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को लेकर मोखरा मंडल कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मुकेश वशिष्ठ ने की, जिसमें मंडल के सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया। सभी कार्यकर्ताओं ने आगामी कार्यक्रमों की सफलता का संकल्प लिया और संगठन को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने की बात कही। यहां मंडल महामंत्री मनदीप कुमार, महामंत्री संदीप डांगी, उपाध्यक्ष बलवान मलिक, राकेश बल्हारा, मैनपाल, प्रवेश शर्मा, सुषमा देवी, मंत्री जोगिंदर बल्हारा, कमला वाल्मीकि, आशीष सांगवान, नरेश कौशिक, नसीब यादव, कोषाध्यक्ष हेमंत शर्मा, सुभाष बल्हारा आदि रहे।

रोहतक। 14 अप्रैल की तैयारियों को लेकर बैठक में मौजूद पदाधिकारी।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
PRO 5
NURSING STAFF 4
MAID 2
HOUSE KEEPING 2
CLEANERS 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

PRIME SCHOOL UNIFORMS
Mfrs & Traders: All Types of School Uniforms, T-Shirts, Lower & Track Suits etc.
Deals in All Kind of School Bag, School Shoes & Stationary Items
Shoes 20% off
VIPIN KUMAR M. 9812587499
All School Dress also available
All Vaish School ▸Vedanta School ▸Shiksha Bharti ▸Scholar Rosary ▸St. Pall School ▸ZAD Global School ▸Model School ▸Shivalik School ▸DAV School ▸MRGS School ▸Baba Mast Nath School ▸GD Royal School
802/12, Arya Nagar, Opp. Vedic Ashram, Near HUDA Complex, Rohtak-124001 (Haryana) Ph.: 01262-258299,

शिव देव सर्विसेज
आवश्यकता है
मैन पावर कंपनी में
एचआर हेड (महिला)
फील्ड ऑफिसर
टेलीकॉलर (महिला)
सिक्योरिटी गार्ड और हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए सम्पर्क करें।
202, टाउन सेंटर मॉल, डी-पार्क, रोहतक
अपना रिज्यूम व्हाट्सएप्प करें M. 9991789000

NEW FRESH BATCHES
CLAT (LAW) 2026/27
IPM (IIMs) 2026/27
BANK
SSC
MCA
NDA
T.I.M.E. Triumphant Institute of Management Education Pvt. Ltd.
D-Park, Delhi Road Rohtak
M. 9254304337

हर्षोल्लास के साथ मनाया बैशाखी पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

लाढ़ौत रोड स्थित गुरुकुल विश्वभारती में बैसाखी पर्व बड़े हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विजय शर्मा, सेवानिवृत्त प्राचार्य, राजकीय विद्यालय पोलंगी रहे। गुरुकुल के छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें पारंपरिक लोकनृत्य, गीत और नाट्य प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि विजय शर्मा ने बैसाखी पर्व के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा दी। गुरुकुल के निदेशक आचार्य नंदकिशोर ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर गुरुकुल निदेशक आचार्य नंदकिशोर, प्राचार्य संजय कौशिक सहित अन्य उपस्थित रहे।

आरडब्ल्यूए के प्रधान बने कृष्ण लाल मग्गू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। करण सिंह यादव को विजय का सर्टिफिकेट देते हुए रिटर्निंग अधिकारी धर्मपाल मलिक। *फोटो : हरिभूमि*

सेक्टर 2 रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के चुनाव रिटर्निंग ऑफिसर धर्मपाल मलिक एवं असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर चंचल नांदल की देखरेख में संपन्न हुआ। चुनाव के लिए मतदान सुबह नौ बजे से शाम तीन बजे तक हुआ। उसके बाद मतगणना शुरू हुई, जिसमें टेलीफोन चुनाव चिन्ह पैनल से कृष्ण लाल मग्गू प्रधान निर्वाचित हुए। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सुरेश भारद्वाज को 44 मतों से पराजित किया। वहीं दूसरे पैनल जिसका चुनाव चिन्ह रोड रोलर था, से सोमबीर लाठर उप प्रधान, जितेन्द्र मेहता सचिव व कर्ण सिंह यादव कैशियर के पद पर निर्वाचित हुए।

रिटर्निंग ऑफिसर धर्मपाल मलिक ने बताया कि इस चुनाव में प्रधान पद के उम्मीदवार कृष्ण लाल मग्गू को 243 मत और सुरेश भारद्वाज को 199 मत प्राप्त हुए और चार मत रद्द हुए। उप प्रधान पद के उम्मीदवार सोमवीर लाठर को 230 मत मिले व वीरेंद्र 211 मत प्राप्त हुए व 5 मत रद्द हुए। सचिव पद के उम्मीदवार जितेन्द्र मेहता ने 229 मत व राजेश गुलाटी ने 213 मत प्राप्त किए तथा 4 मत रद्द हुए। कैशियर पद के उम्मीदवार कर्ण सिंह यादव को 226 मत मिले व नरेश ने 213 मत हासिल किए तथा सात मत रद्द पाए गए। रिटर्निंग ऑफिसर धर्मपाल मलिक ने सभी विजयी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया, जिसके सहयोग से चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

मांगें पूरी न होने पर रोडवेज कर्मचारियों में रोष, 16-17 अप्रैल को करेंगे भूख हड़ताल

- हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन की बैठक नया बस स्टैंड यूनियन कार्यालय में हुई
- प्रधान नरेश सिवाच ने अध्यक्षता व जयकुंवार दहिया ने किया संचालन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन की बैठक नया बस स्टैंड यूनियन कार्यालय में हुई। जिसकी अध्यक्षता डिपो प्रधान नरेश सिवाच व संचालन राज्य उपप्रधान व डिपो सचिव जयकुंवार दहिया ने किया। मीटिंग के दौरान कर्मचारियों की स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की गई। वहीं सुमेर सिवाच, जयकुंवार दहिया, सतबीर मुंडाल व नरेश सिवाच ने बताया मार्च में महाप्रबंधक रोहतक डिपो को कर्मचारियों की डिपो से संबंधित समस्याओं बारे लिखित मांग पत्र दिया गया था, परंतु आज तक किसी भी समस्या निवारण नहीं हुआ है। अगर समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। परिवहन क्षेत्र में परिवहन कर्मचारी और मज़दूरों के हालात पर चर्चा करते हुए नेताहरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन की बैठक नया बस स्टैंड यूनियन कार्यालय में हुई। जिसकी अध्यक्षता डिपो प्रधान नरेश सिवाच व संचालन राज्य उपप्रधान व डिपो सचिव जयकुंवार दहिया ओं ने कहा कि हरियाणा रोडवेज सांझा मोर्चा के आवाहन पर रोहतक में होने वाली 16 एवं 17 अप्रैल की 24 घंटे की भूख हड़ताल में हरियाणा रोडवेज सांझा मोर्चा के राज्य एवं डिपो स्तर के सभी पदाधिकारी व डिपो के सैकड़ों रोडवेज कर्मचारी भाग लेंगे। जयकुंवार दहिया, सतबीर मुंडाल व नरेश सिवाच ने बताया कि रोडवेज कर्मचारीयों को डिपो में कार्य करते हुए अनेकों समस्या आ रही हैं, इसमें चालकों के केएमपीएल के नाम पर वेतन की कटौती करना एवं परिचालकों के बुकिंग कम के नाम पर वेतन कटौती करना सही नहीं है, जबकि हरियाणा सरकार द्वारा रोडवेज की बसों को सरकार द्वारा किए जाने वाले सम्मेलन, महोत्सव, रैली आदि में जनता को परिवहन सेवा से वंचित करके इस्तेमाल किया जाता है, जिसका यूनियन विरोध करती है। किलोमीटर अधिक तय करना इसके अवैज में कर्मचारियों को अतरिक्त भत्ता नहीं देना, समय पर रात्रि ठहराव ना मिलना, एसीपी का लाभ समय पर ना मिलना, न्यायालय के निर्देश के बाद भी निर्णय लागू ना करना आदि समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

रोहतक। मीटिंग करते हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारी।

मांगों को करें लागू

नेताओं ने मांग की कि हरियाणा सरकार प्राइवेट इलेक्ट्रिक बसें ठेके पर चलाने के निर्णय को रद्द कर सभी प्रकार की बसों को रोडवेज के बेड़े में 10000 सरकारी नई बसें शामिल कर चलाने का कार्य करे। वहीं मीटिंग में सरकार से मांग की गई कि सरकार द्वारा राज्य सांझा मोर्चा से वार्तालाप में जो हां की गई है उन मानी हुई मांगों को लागू करें, हरियाणा सरकार स्वतंत्र आठवें वेतन आयोग का गठन करे, परिचालकों व लिपिक का वेतनमान अपग्रेड करके 35400 किया जाए, चालक, मैकेनिक, स्टोरकीपर, कैशियर सहित सभी श्रेणियों की वेतन विसंगति दूर की जाए, उच्च न्यायालय के निर्देश अनुसार कर्मशाला कर्मचारियों को तकनीकी वेतनमान लागू करने का काम करे, हैवी चालक का वेतनमान 53000 किया जाए, परिचालक से उपनिरीक्षक व निरीक्षक की पदोन्नति होने पर अन्य श्रेणियों की भांति वेतन वृद्धि दी जाए, पुरानी पेंशन बहाल की जाए, सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए, कर्मशाला कर्मचारियों के कम किए गए राजपत्रित अवकाश बिना शर्त पहले की तरह लागू किए जाएं, रिटायर कर्मचारियों की कम्युट पेंशन रिटर्न की समय सीमा 15 वर्ष की बजाय 10 वर्ष की जाए, मेडिकल कैशलैस फैसिलिटी लागू की जाये, रिटायरमेंट की समय सीमा 58 वर्ष की जगह 60 वर्ष की जाए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के मांगों का जल्द से जल्द बातचीत के माध्यम से समाधान किया जाए। अगर इन बातों पर सरकार ध्यान नहीं देती तो रोडवेज कर्मचारी आंदोलन को तेज करने पर मजबूर होंगे। मीटिंग में सुमेर सिवाच, जयकुंवार दहिया, सतबीर, प्रदीप हुड्डा, बलजीत सिंह, राजीव, जयबीर फौजी आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

डॉ. अंबेडकर को आज एमडीयू देगी श्रद्धांजलि

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में 14 अप्रैल को संविधान निर्माता, भारत रत्न डा. बी.आर. अंबेडकर की जयंती पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी।डीन, स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रणदीप राणा ने बताया कि बाबा साहेब डा. बीआर अंबेडकर के 135वें जन्मोत्सव पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन अंबेडकर हॉल में किया जाएगा, जिसमें देश एवं समाज निर्माण के लिए डॉ. बी.आर. अंबेडकर के योगदान को याद किया जाएगा और श्रद्धांजलि दी जाएगी।

शिविर में 157 मरीजों के स्वास्थ्य को जांचा

रोहतक। टिकाना सत बाबा सावल शाह उदासीन आश्रम जगदीश कॉलोनी में गुरुदेव महंत बाबा प्रेम दास महाराज के पावन आशीर्वाद से निशुल्क जांच शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 157 मरीजों की जांच की गई। स्वामी महामंडलेश्वर राघवेंदर भारती एवं स्वामी शंकरानंद ने सभी को अपना आशीर्वाद दिया। डेरे के संचालक संत बाबा सुखा शाह महाराज ने डॉक्टर रवि रंगा ने मरीजों की जांच की। इस अवसर पर हेमा भाटिया, राहुल मेहरा, नीरू सरोहा, नीरू भाटिया, सुषमा, सोनम सिंह, आशीष, मनीष आदि मौजूद रहे।

मुख्य मार्गों, नालों, सार्वजनिक स्थानों व वार्डों में की सफाई

नगर निगम ने विशेष सफाई अभियान का किया शुभारंभ

नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सरकारी कार्यालय, होटल, रेस्टोरेंट, अस्पताल, पेट्रोल पम्प, आदि जगहों पर डस्टबीन रखे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम द्वारा रविवार को सभी वार्डों में सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान मुख्य मार्गों, नालों व सार्वजनिक स्थानों की सफाई की गई। साथ ही आमजन से अपील की गई कि शहर को साफ सुथरा रखने में योगदान दें। नगर निगम के आयुक्त धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष में नगर निगम क्षेत्र में स्थित सभी वार्डों में जनभागीदारी के तहत वार्ड सदस्यों, एनजीओ, सामाजिक संस्थाओ व आमजन इत्यादि के सहयोग से विशेष सफाई अभियान चलाया जायेगा। इस दौरान मुख्य मार्गों, बाजार क्षेत्र, सार्वजनिक स्थान, शौचालयों, नालों आदि की सफाई करवाई गई। यह अभियान वार्ड सदस्यो की देख-रेख में चलाया गया। इस मौके पर नगर निगम के सफाई निरीक्षण व सहायक सफाई निरीक्षक भी मौजूद रहे।

रोहतक। पार्षद प्रवीन कौशिक सफाई अभियान चलाते हुए।

रोहतक। नगर निगम के कर्मचारी जागरूक करते हुए।

यहां चलाया सफाई अभियान

रविवार को नगर निगम द्वारा जनता कॉलोनी, गोहाना अड्डा, बड़ा बाजार, सुखपुरा चौक, पुराना आईटीआई ग्राउंड, तेज कॉलोनी, रेलवे रोड़, हिसार रोड़ पुल के नीचे आदि क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया गया। साथ ही आमजन से अपील की गई कि सभी अपने घरों, दुकानों, संस्थानों व नगर निगम क्षेत्र के अर्न्तगत आने वाले सरकारी कार्यालय, होटल, रैस्टोरेंट, अस्पताल, पैट्रोल पम्प, शॉपिंग काम्पलैक्स आदि जगहों से कूड़ा एकत्रित करने के लिए डस्टबीन रखें तथा कूड़े को इधर-उधर न फेंके तथा उसे कूड़ा उठान वाले वाहन में ही डालें, ताकि शहर में गंदगी न फैले और शहर साफ व सुंदर दिखे।

रोहतक। वार्ड नम्बर सात के पार्षद कपिल नागपाल सफाई करते हुए।

पार्षदों ने वार्ड में की सफाई

सफाई कर्मचारियों के साथ अधिवक्तर वार्डों के पार्षदों ने भी अपने अपने एरिया में सफाई अभियान चलाया। वार्ड नम्बर सात के पार्षद कपिल नागपाल ने अपने वार्ड में भाजपा नेताओं के साथ सफाई अभियान चलाया। इसके अलावा वार्ड नम्बर 6 के पार्षद नीरा भटनागर, मुक्ता नागपाल सहित अन्य ने वार्ड में सफाई अभियान चलाया।

जेकेएम स्कूल में कार्यशाला का आयोजन

रोहतक। 12 और 13 अप्रैल को जेकेएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल कलानौर में मूल्यांकन और मूल्यांकन प्रथाओं को मजबूत बनाने पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन सीबीएसई रिसोर्स पर्सन अन्नू चावला और डॉ. निशा कुमारी के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम में 8 स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाले 60 शिक्षकों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य सीबीएसई की योग्यता-आधारित शिक्षा रूपरेखा के साथ प्रभावी मूल्यांकन रणनीतियों की समझ को बढ़ाना रहा। प्रतिभागियों ने मूल्यांकन तकनीकों को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किए गए इंटरैक्टिव सत्रों, समूह चर्चाओं और व्यावहारिक गतिविधियों में भाग लिया। रिसोर्स पर्सन ने समावेशी और शिक्षार्थी-केंद्रित मूल्यांकन को डिजाइन करने में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की। जेकेएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल कलानौर की प्रिंसिपल डॉ. सविता बिसला ने सीबीएसई टीम और उपस्थित शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज के गतिशील शैक्षिक परिदृश्य में ऐसी कार्यशालाएं आवश्यक हैं। वे शिक्षकों को नवीनतम उपकरणों और रणनीतियों से सशक्त बनाती हैं, जिससे छात्रों को लाभ होता है। कार्यशाला का समापन प्रमाण पत्र वितरण समारोह के साथ हुआ।

हैनीमैन दिवस मनाया, पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

रोहतक। रविवार को होम्योपैथी एसोसिएशन द्वारा होम्योपेथी के जनक हैनीमैन दिवस मनाया गया। सभी चिकित्सकों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। डॉ. अनिल शर्मा ने साक्ष्यों पर आधारित शोध पर बल दिया। डॉ. एसएस भारद्वाज ने पुरानी बिमारियों में होम्योपैथिक इलाज को लेकर चर्चा की। डॉ. अरिदम राय ने सरकार द्वारा होम्योपैथी के विकास पर चर्चा की। इसके अलावा डॉ. कपिल और डॉ. ग्रेवाल ने होम्योपैथिक चिकित्सा में सहायक दवाईयों की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. केएल मनचंदा, डॉ. बीएस सुखीजा, डॉ. उत्कर्ष, डॉ. अनिमेष, डॉ. योगेश, डॉ. सौरभ, डॉ. नवीन, डॉ. गुंजन, डॉ. प्रगति, डॉ. काव्या, डॉ. वृंदा, डॉ. नैन्सी, डॉ. पूजा सहित अन्य मौजूद रहे।

सेक्टर-3 आरडब्ल्यूए के चुनाव एक जून को-

रोहतक।आरडब्ल्यूए सेक्टर-3 की एडहॉक कमेटी की बैठक सामुदायिक केन्द्र सभागार में संयोजक डॉ. कपूर सिंह ढ़ाका की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस एडहॉक समिति का गठन जिला रजिस्ट्रार फर्म एवं सोसायटी द्वारा समिति के चुनाव स्वतन्त्र व निष्पक्ष तरीके से करवाने के लिए किया गया था। इस बैठक में एडहॉक समिति के सदस्य डॉ. जगबीर सिंह अहलावत व डॉ. प्रमोद गौरी के साथ-साथ नवनियुक्त रिर्टनिंग अधिकारी डॉ. महेन्द्र सिंह श्योराण, सहायक रिर्टनिंग अधिकारी राजबीर सिंह बजाड एवं चुनाव प्रवेक्षक, डॉ. शमशेर अहलावत, निवर्तमान कार्यकारिणी के प्रधान सुखबीर हुड्डा, महासचिव महताब सिंह खोखर एवं मुख्य सलाहाकार कटार सिंह हुड्डा भी उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5X8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

महम। आर्य स्कूल में आयोजित ट्रेनिंग कैंप में भाग लेते सीबीएसई स्कूलों के शिक्षक।

आर्य स्कूल मदीना में शिक्षकों ने ली ट्रेनिंग

महम। आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में सीबीएसई स्कूलों के शिक्षकों के लिए ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया गया। इस ट्रेनिंग कैंप में सीबीएसई रिसोर्स पर्सन डॉ. नीरू समरवाल औ निशु एस. रानी द्वारा स्कूल में वैल्यू एजुकेशन विषय पर ट्रेनिंग दी। इस शिविर में आर्य स्कूल मदीना, मार्डन पब्लिक स्कूल खरकडा और वी. एन. मेमोरियल स्कूल रोहतक के 60 अध्यापकों और उनके प्राचार्य और उप-प्राचार्य ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण शिविर में विद्यार्थियो के समग्र विकास, अध्यापन में रूचि जाग्रत करने, उन्हें किसी भी तरह के तनाव को दूर करने आदि विषयों पर प्रशिक्षित किया गया। साथ ही शिक्षा विभाग द्वारा जारी की गई नयी शिक्षा नीति को कार्यान्वित करने की भी ट्रेनिंग दी गई। ट्रेनरों के द्वारा ये भी बताया गया कि आज के वैज्ञानिक युग में बच्चो के अन्दर कैसे मौलिक और नैतिक गुणों का विकास करना है। भविष्य में बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओ के लिए प्रोत्साहित करने के तरीके भी बताए। इसके अलावा डिजिटल डिवाइस के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। साथ ही उसके बचाव के तरीके भी बताए। शिक्षकों ने सीबीएसई. द्वारा निर्देशित नियमावली को अपनाकर छात्रों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने की शपथ भी ली। आर्य स्कूल मदीना के प्राचार्य अशोक दांगी ने सभी मेहमानों का स्वागत किया और भविष्य में अन्य विषयों पर प्रशिक्षण शिविर के आयोजन का संकल्प लिया।

चौथे खेलो मास्टर्स नेशनल गेम्स में लक्ष्मीदत्त ने जीता कांस्य

सांपला। 11 से 13 अप्रैल तक दिल्ली में आयोजित चौथे खेलो मास्टर्स नेशनल गेम्स 2025 में 85 वर्षीय लक्ष्मीदत्त भारद्वाज ने जेवेलियन फेंक कर कांस्य पदक हासिल किया है। कांस्य पदक को हांसिल कर वे काफी खुश हैं। उनका युवाओं से आह्वान है कि नशे की ओर ना जाकर खेल की ओर कदम बढ़ाएं। जिससे शरीर तो ठीक रहेगा ही, साथ ही परिवार, गांव, प्रदेश व देश का नाम रोशन होगा। सांपला के वार्ड नम्बर 14, मोहल्ला मिश्रान के रहने लक्ष्मीदत्त भारद्वाज 85 साल की उम्र में भी वह जज्बा रखते हैं जो आज के युवा में भी देखने को नही मिलता है। सुबह-सुबह 4 बजे उठकर इस उम्र में भी सैर कर व्यायाम करते है जिससे शरीर पूरी तरह से फिट है।

कर्मचारियों ने मचाया उत्पात...

रोहतक। निजी इंटरनेट कंपनी के कर्मचारियों ने मचाया उत्पात, गलियों में काम होने के बाद वायरों को खुले में डाल रहे निजी कंपनी के कर्मचारी। बहुत बार हादसे हो चुके तो दोबारा से हादसा होने का बना रहता है खतरा। जनता कॉलोनी नियर त्रिवेणी पार्क के पास गलियों में पड़ी इंटरनेट वायर।

समस्या | फसल को मौसम की मार से बचाने के लिए कोई पुख्ता प्रबंध नहीं

अब तक करीब 2 लाख 30 हजार क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी

सांपला मंडी में हजारों क्विंटल गेहूं फिर चढ़ सकता है बारिश की भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

रोहतक। खुले आसमान के नीचे पड़ा गेहूं।

दो दिन पहले बारिश के बाद भी प्रशासन नहीं जगा है। मौसम विभाग द्वारा पहले ही सचेत करने के बाद भी प्रशासन की इस लापरवाही से सांपला अनाज मंडी में खुले आसमान के नीचे पड़ा करीब 80 हजार किवंटल गेहूं शुक्रवार को आंधी के साथ आई तेज बारिश की भेंट चढ़ गया। अब भी आढ़ती व खरीद एजेंसी की तरफ से फसल को बारिश से बचाने के लिए कोई खास प्रबंध नहीं किए हैं। रविवार को दिन में कई बार आसमान में बादल छाए। अगर फिर बारिश आती है तो दोबारा से फसल बारिश में खराब हो जाएगी। लेकिन प्रशासन ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। सांपला अनाज मंडी में करीब 2 लाख 30 हजार क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। यहां पर वेयरहाउस और हैफड एजेंसी द्वारा फसल की खरीद की जा रही है। बताया जा रहा है कि जो गेहूं खराब हो गया था, उसको भी बोरियों में भरा जा रहा है। फसल को मौसम की मार से बचाने के लिए कोई प्रबंध नहीं हैं। कमिशन एजेंटों की तरफ से भी फसल को बचाने के लिए कोई खास इंतजाम नहीं किए हैं। रविवार को भी सैंकड़ों क्विंटल गेहूं मंडी में बिक्री के लिए पहुंचा।

लापरवाही बरतने पर होगा लाइसेंस रद

मार्केट कमेटी सचिव सविता सैनी का कहना है कि बारिश से 3 दिन पहले ही उन्होंने खरीद एजेंसी व आढ़तियों को पत्र लिखकर प्रबंधन करने के निर्देश दिए थे। जो भी फसल खरीद में लापरवाही बरतेगा, उसके लाइसेंस रद करने संबंधी आलाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

87 ने किया रक्तदान और 321 की हुई जांच

रोहतक। कन्हैली रोड़ स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर कम्युनिटी सेंटर में एमटीएफसी (मेक द् फ्यूचर ऑफ कंट्री) एजुकेशनल सोसायटी द्वारा वार्षिक उत्सव कार्यक्रम के अवसर पर रक्तदान, स्वास्थ्य, नेत्र एवं दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। मंच संचालन का सेवाकार्य मिनाक्षी ढ़ल द्वारा संभाला गया। इस दौरान 87 लोगों ने रक्तदान एवं 321 लोगों की स्वास्थ्य की गई। जिसमें 211 लोगों ने नेत्र जांच, 75 लोगों की स्वास्थ्य एवं 35 लोगों के दांतों की जांच की गई। साथ ही मरीजों को निशुल्क दवाइयां एवं चश्में भेंट किये गये। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर अपनी प्रस्तुती दी। संस्था द्वारा संचालित अनौपचारिक स्कूल एवं कम्प्यूटर सेंटर के बच्चों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गए। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले एवं एक भी छुट्टी न करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया।मुख्य अतिथि मनीषा अग्रवाल ने कहा कि संस्था बच्चों की शिक्षा को लेकर काफी सराहनीय कार्य कर रही है।